स्वाभाविक रूप से गवाही किस प्रकार दे सकते हैं।

सेवकाई, गवाही देना है| अधिक से अधिक सेवकाई के औपचारिक और अनौपचारिक तरीकों से गवाही देने के हमारे अवसरों को बढ़ा सकता हैं।

हम ने अनुबंध किया था कि "सभी मौकों पर और सभी बातों में, और सभी स्थानों में चाहे जहां भी तुम हो, यहां तक कि मृत्यु तक परमेश्वर के गवाह के रूप में खड़े रहें।" (मुसयाह 18:9). हमारी गवाही देना गवाह के रूप में खड़े होने का हिस्सा है और पवित्र आत्मा को किसी के विचारों को छूने और अपना जीवन बदलने के लिए आमंत्रित करने का एक शक्तिशाली तरीका है।

अध्यक्ष ऍम रसल बल्लार्ड ने कहा, जो बारह के प्रेरितों के परिषद् के कार्यकर्ता अध्यक्ष हैं, "गवाही-सच्ची गवाही, आत्मा से पैदा होती हैं और पवित्र आत्मा द्वारा पुष्टि की हुई - जीवन बदल सकता है," [1]

लेकिन हमारी गवाही साझा करना हम में से कुछ के लिए भय या असहज हो सकता है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि हम अपनी गवाही को उपवास और गवाही की बैठक में करते हैं या एक पाठ सिखाते समय दे सकते हैं। उस औपचारिक माहोल में हम अक्सर कुछ शब्दों और वाक्यांशों का उपयोग करते हैं जो प्राकृतिक बातचीत के समय में नहीं हो सकता हैं।

हमारी गवाही देना हमारे जीवन और दूसरों के जीवन में एक अधिक नियमित आशीर्वाद बन सकता है जब हम समझते हैं कि हम रोज़मर्रा के माहोल में जो विश्वास करते हैं, उसे साझा करना कितना आसान हो सकता है। यहां कुछ विचार दिए गए हैं जो शुरू करने में आपकी सहायता कर सकता हैं।

इसे सरल रखें

एक गवाही वाक्यांश के साथ शुरू करने की जरूरत नहीं है, "मैं' अपनी गवाही देना चाहती/चाहता हूँ," और इसे यह कह कर खत्म करने की आवश्यकता नहीं है, "यीशु मसीह के नाम पर, अमीन|" एक गवाही एक अभिव्यक्ति है जो हम मानते हैं और सत्य हैं ये जानते हैं। जब सड़क पर अपने पड़ोसी से मिलते हैं और उसके समस्या के बारे में वह कहते हैं और कहने पर, "मैं जानती हूँ परमेश्वर हमारी प्रार्थनाओं के उत्तर देता हैं," गिरजा के पुल्पीट से साझा की गई किसी भी गवाही के रूप से शक्तिशाली हो सकता है। यह शक्ति मधुरभरी भाषा से नहीं आती है; यह सत्य की पुष्टि पवित्र आत्मा से आती है (देखे सिधान्त और अनुबंध 100:7–8).

प्राकृतिक वार्तालाप का प्रवाह उचित करें

अगर हम बताने के इच्छुक हैं, तो रोज़मर्रा की वार्तालापों में गवाही देने के लिए हमारे आस-पास अवसर होते हैं। उदाहरण के लिए:

- कोई आपके सप्ताहांत के बारे में पूछता है। आप उत्तर देतें हैं "बहुत बढ़िया था," "गिरजा घर जाना ही मेरी जरुरत थी|"
- आपके जीवन में एक चुनौती के बारे में जानने के बाद कोई सहानुभूति व्यक्त करता है: "मुझे बहुत दुःख है|" आप जवाब दें: "आपकी चिंता के लिए धन्यवाद। मुझे पता है कि परमेश्वर मेरे साथ हैं। वह मेरे साथ पहले भी थे|"

- कोई टिप्पणी करता है: "मुझे उम्मीद है कि यह भयानक मौसम जल्द ही बदल जाएगा," या "बस निश्चित रूप से लेट है," या "इस ट्रैफिक को देखो।" आप जवाब दे सकते हैं: “मुझे यकीन है कि परमेश्वर सब कुछ ठीक करने में हमारी मदद करेगा।"

अपने अनुभव बताएँ

हम अक्सर अपनी चुनौतियों के बारे में एक-दूसरे से बात करते हैं। जब कोई आपको बताता है कि वे क्या परेशानियों का सामना कर रहे हैं, तब आप अपने कठीन अनुभवों को साझा कर सकते हैं उस वक़्त का जब परमेश्वर ने आपके परीक्षणों में आपकी मदद की थी| परमेश्वर ने कहा कि वह हमारे परीक्षणों में हमें मजबूत करता है “और यह मैं इसलिए करूंगा कि तुम इसके पश्चात मेरे लिए गवाह बन कर खड़े हो सको, और कि तुम जान सको कि मैं, प्रभु परमेश्वर अपने लोगों से उनके कष्टों के समय भेंट करता हूं” ।-- (मुसयाह 24:14). हम उस के लिए गवाहों के रूप में खड़े हो सकते हैं जब हम इस बात की गवाही देते हैं कि उसने हमारी परीक्षणों में कैसे मदद की थी ।

तैयार रहें

हम में से कुछ के लिए, किसी पल के दौरान गवाही देना भय से भरा अनुभव हो सकता है। ऐसे कई तरीके हैं जिनसे हम आगे की योजना बना सकते हैं “ और जो कोई तुम से तुम्हारी आशा के विषय में कुछ पूछे, तो उसे उत्तर देने के लिये सर्वदा तैयार रहो, पर नम्रता और भय के साथ। ” (1 पतरस 3:15).

सबसे पहले, तैयार होने का मतलब यह हो सकता है कि हम किस प्रकार अपना जीवन व्यतीत करते हैं । क्या हम अपने जीवन में पवित्र आत्मा को आमंत्रित कर रहे हैं और धर्मी जीवन के माध्यम से हर दिन अपने स्वयं के गवाहियों को मजबूत कर रहे हैं? क्या हम पवित्र आत्मा को हम से बात करने का मौका देते हैं हमें उन शब्दों को देने के लिए जो हमें प्रार्थना द्वारा चाहिए और धर्मशास्त्र अध्ययन के माध्यम से चाहिए? जैसा कि प्रभु ने हाइरम स्मिथ को सलाह दी , “मेरा शब्द घोषित न करें, लेकिन पहले मेरा शब्द प्राप्त करना सीखो, और फिर आपकी जीभ खोल दी जाएगी” (सिधान्त और अनुबंद 11:21).

दूसरा, तैयार होने का मतलब आगे के बारे में सोचना और अवसरों पर विचार करना हो सकता है कि आपके पास उस दिन या उस सप्ताह आपकी गवाही देने के लिए हो सकता है। आप उन अवसरों के बारे में सोचकर तैयार हो सकते हैं कि वे आप जिस में विश्वास करते हैं उसकी गवाही देने का मौका कैसे दे सकते हैं।

उद्धारकर्ता और उनके सिद्धांत पर केंद्रित रहें

अध्यक्ष बल्लार्ड ने सिखाया, “हालांकि हम गिरजा के सदस्यों के रूप में कई चीजों की गवाही प्राप्त कर सकते हैं, बुनियादी सत्य हैं जिन्हें हमें लगातार एक दूसरे को पढ़ाने और बताने की आवश्यकता है |” उदाहरण हेतु, उसने बताया: परमेश्वर हमारे पिता और यीश ही मसीह हैं | उद्धार की योजना उद्धारकर्ता के प्रायश्चित पर केंद्रित है। जोसफ स्मिथ ने यीशु मसीह के अनन्त सुसमाचार की पूर्णता पुनःस्थापित की, और मॉर्मन की पुस्तक यह सबूत है कि हमारी गवाही सच है।” जैसा कि हम उन सच्चाइयों को दिल से व्यक्त करते हैं, हम पवित्रआत्मा को गवाही देने के लिए आमंत्रित करते हैं कि हमने जो कहा है वह सत्य है। अध्यक्ष बल्लार्ड ने सक्षम से कहा हैं कि “मसीह की शुद्ध गवाही पैदा होने पर पवित्र आत्मा को रोका नहीं जा सकता है |”[2]

उद्धारकर्ता का उदाहरण

सामरिया से यात्रा करने के द्वारान थके हुए, उद्धारकर्ता ने एक कुएं के पास आराम करने के लिए रुके और उनकी मुलाकात वहां एक औरत से हुई । उन्होंने कुएं से पानी निकालने के बारे में बातचीत शुरू की । इस रोज़मर्रा के काम का उपयोग करते हुए जो महिला कर रही थी यीशु को मौका मिला जीवित पानी की गवाही देने का और बताया कि उन लोगों के लिए अनन्त जीवन उपलब्ध है जो उस पर विश्वास करते हैं (देखे युहन्ना 4:13–15, 25–26).

एक सरल गवाही जीवन बदल सकती हैं

अध्यक्ष रसल एम नेल्सन ने एक नर्स के बारे में बताया है जिस ने - डॉ नेल्सन से एक सवाल पूछा था एक कठिन सर्जिकल प्रक्रिया के बाद । “आप अन्य शल्य चिकित्सकों की तरह क्यों नहीं हैं?” कुछ शल्य चिकित्सकों को जिन्हें वह जानती थी वह बहुत ही क्रोधित और अपवित्र भाषा के प्रयोग करते थे इस तरह के उच्च दबाव प्रक्रियाओं को करते हुए दा ।

डॉ. नेल्सन किसी भी तरीके से जवाब दे सकते थे । परन्तु उन्होने साधारण सा जवाब किया, “क्योंकि मैं जानता हूँ की मॉर्मन की पुस्तक सच्ची हैं|”

उनके जवाब ने नर्स और उसके पति को मॉर्मन की पुस्तक का अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। अध्यक्ष नेल्सन ने बाद में उस नर्स को बपतिस्मा दिया| दशकों बाद, टेनेसी में एक स्टेक सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए, यु.एस.ए में , एक नए नियुक्तित प्ररित के रूप में, अध्यक्ष नेल्सन ने उस नर्स के साथ एक अप्रत्याशित पुनर्मिलन का आनंद लिया। उसने अपने रूपांतरण के बारे में बताया, अपनी सरल गवाही के बारे में बताया और मॉर्मन की पुस्तक के प्रभाव ने 80 अन्य लोगों के रूपांतरण में मदद की।[3]

कार्य करने के लिए निमंत्रण

अपनी गवाही देने से मत डरो। यह उन लोगों को आशीर्वाद दे सकता है जिनके लिए आप सेवक हो । आज आप अपनी गवाही देने के लिए इन विचारों या अपने विचारों का उपयोग कैसे करोंगे?

“सेवकाई सिधान्त” लेख एक दूसरे की देखभाल करने में हमारी सहायता करने के लिए हैं-- मिलने के दौरान संदेशों के रूप में साझा करने के लिए नहीं । जैसा कि हम उन लोगों को जानते हैं जिन्हें हम सेवा प्रधान करते हैं, पवित्र आत्मा हमें यह जानने के लिए प्रेरित करेगा कि हमारी देखभाल और करुणा के अलावा उन्हें किस संदेश की आवश्यकता हो सकती है।

अपने अनुभव बताएँ

हमें अपने अनुभव भेजें जैसे की आप दूसरों की सेवा करते है या सेवा का अनुभव करते हो । liahona.lds.org पर जाए और “अपना लेख या अनुभव का सुझाव दें ।"

टिपण्णीयां

1. M. Russell Ballard, “Pure Testimony,” Liahona, Nov. 2004, 40.
2. M. Russell Ballard, “Pure Testimony,” 41.
3. In Jason Swensen, “Be Ready to Explain Your Testimony Using the Book of Mormon, President Nelson Says,” Church News section of LDS.org, Feb. 6, 2018, news.lds.org.

© 2019 by Intellectual Reserve, Inc. सर्वाधिकार सुरक्षित. भारत में छपा। अंग्रेज़ी अनुमति: 6/18. अनुवाद अनुमति: 6/18. *Ministering Principles, March 2019* का अनुवाद. Hindi. 15764 294